भारतीय जनता पार्टी

राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक

१२--१३ जून २०१६, इलाहाबाद

<u>प्रस्ताव</u>

<u>भाजपा भारत का वर्तमान है और भाजपा ही भारत का भविष्य</u>

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारणी हाल में चुनाव संपन्न हुए के पांच राज्यों की जनता का ह्रदय से आभार व्यक्त करती है. उनके द्वारा भाजपा के प्रति दिखाए गए सद्भावना और समर्थन अद्भुत और अतुलनीय है.

इस चुनाव के परिणामों से पुनः प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार की लोकप्रियता एवं जन-आदर की पुष्टि हुई है. इसका परिणाम स्पष्ट रूप से देखने में आया है कि जहाँ असम में भाजपा की बहुमत की सरकार बनी है वही केरल, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु एवं पांडिचेरी में पार्टी के मत प्रतिशत में सकारात्मक वृद्धि हुई है. इन चुनाव परिणामों ने भाजपा की सर्व-स्पर्शी विस्तार को मजबूती प्रदान की है. माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के पूर्वोत्तर भारत के विकास में दृष्टिकोण एवं जनकल्याणकारी नीतियों के प्रति असम की जनता के भरोसे को पार्टी धन्यवाद देती है.
पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के नेतृत्व में विगत दो वर्षों में इन सभी राज्यों में संघटन को निचले स्तर तक विस्तार करने पर बल दिया है. पार्टी का यह मानना है कि इन चुनाव परिणामों से जिस प्रकार से इन राज्यों में पार्टी के आधार को विस्तार मिला है उसको भविष्य में कार्यकर्त्ता और आगे तक ले जायेगा. भाजपा और सहयोगी पार्टियों ने ८६ सीट और दो तिहाई बहुमत प्राप्त किये जबकि भाजपा स्वतः ६० सीटें जीत कर आयी. भाजपा व् सहयोगी दलों ने ४४ % के वोट प्रतिशत प्राप्त किया जो कि २०१४ की तुलना में ७% अधिक है.

अलगाववाद, हिंसा और विकास का अभाव जैसे अशांत इतिहास का प्रदेश असम बाढ़, भूस्खलन आदि जैसे प्राकृतिक आपदा से भी पीड़ित रहा है. प्रदेश व् क्षेत्र प्राकृतिक और मानव संशाधन के गढ़ रहे हैं लेकिन यह दुर्भाग्य है कि उदासीनता व् उपेक्षा का शिकार भी रहा है. पूर्व की अक्षम और भ्रष्ट सरकारों ने इस जीवंत समाज और संस्कृति को दुःख व् अंधकार में ढकेल दिया।

दशाब्दियों से निरन्तर चल रही घुसपैठ ने इस राज्य के लिए एक जनसांख्यिकीय आक्रमण के खतरे का रूप ले लिया है जो विकास के अभाव जैसा ही महत्वपूर्ण समस्या है. यह एक व्यापक समस्या का रूप लेती जा रही है जिससे एक तरफ असम की पहचान, संस्कृति और परम्पराएं खतरे में आ रहे हैं वही दूसरी तरफ राज्य की अर्थव्यवस्था और लोगो का जीविकोपार्जन भी बुरी तरह से प्रभावित हो रही है. पूर्व की सरकारों ने इस समस्या पर वोट बैंक की राजनीति के खातिर आँख बंद कर रखी थी. पूर्व की सरकार व् उसके मुख्यमंत्री राज्य में एक भी घुसपैठी न होने का दावा करते रहे हैं.

भाजपा ग़रीबी, पिछड़ेपन और विकास के अभाव से मुक्ति; घुसपैठिओं और उनके समर्थक और हमदर्दी रखने वालो से सुरक्षा के दो वायदे लेकर जनता के सामने गयी थी. लोगो ने ह्रदय से समर्थन दिया। इसीलिए राष्ट्रिय कार्यकारणी पार्टी की इस जीत को केवल एक चुनावी जीत के रूप में नहीं देखती। अपितु यह पार्टी की विचारधारा की बड़ी जीत है। इस जीत को हम माँ कामाख्या, नदी ब्रम्हपुत्र और श्रीमंत शंकरदेव को समर्पित करते है जो असम के पहचान के सूचक हैं. राष्ट्रीय कार्यकारणी असम की जनता को यह भी विश्वास दिलाना चाहती है कि राज्य के भविष्य व् अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण उन वायदों को पूर्ण करने के लिए हर संभव प्रयत्न किये जाएंगे।

यह पार्टी के लिए कठिन परिश्रम से प्राप्त विजय है. असम में हज़ारों पार्टी और विचार परिवार के कार्यकर्ता दशकों से काम कर रहे हैं. उनका एक मात्र उदेश्य क्षेत्र के लोगो की पहचान व् संस्कृति की रक्षा एवं राष्ट्र की एकता और अखंडता की रक्षा रही है. उन्होंने अपना पूरा जीवन समर्पित

किया. स्वयं पर खतरा मोल लिया, अपने आजीविका को त्याग दिया, और अनेको ने तो अपना जीवन का बलिदान दिया। उनके लिए यह राष्ट्र कार्य था. राष्ट्रीय कार्यकारणी उन हज़ारो अनगिने सपूतो को श्रद्धा सुमन अर्पित करती है जिनकी तत्परता और त्याग पार्टी के विकास और वर्तमान की कामयाबी की आधारशिला बनी है.

इस विजय के पीछे असम के अपने कार्यकर्ताओं की निष्ठा व कठिन परिश्रम भी एक महत्वपूर्ण कारण रही. पार्टी का हर एक कार्यकर्त्ता, सांसद, विधायक, और वरिष्ठ नेताओं ने भी कंधे से कंधा मिला कर चुनावी उत्तरदायित्व का निष्ठा से निर्वहन किया. राष्ट्रीय कार्यकारणी प्रत्येक कार्यकर्ता को असम में प्रचण्ड विजय के लिए अभिनन्दन करती है. पार्टी अध्यक्ष के नेतृत्व में राष्ट्रीय नेतृत्व और प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में सभी केंद्र सरकार के नेताओ द्वारा प्रदेश पार्टी को मिली समर्थन के बिना यह विजय सम्भव नहीं था. राष्ट्रीय कार्यकारणी उनके प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करती है.

हमारे सहयोगी दल असम गण परिषद और बोडो पुपिल्स फ्रंट ने भी कांग्रेस मुक्त असम अभियान में अपना योगदान दिया। यह उन सभी पार्टीयो का संयुक्त प्रयास था, जो असम को पिछड़ेपन व घुसपैठ के चंगुल से छुड़वाने के लिए खड़े हुए थे, जिसने वहां के लोगो को उत्साह व् आत्मविश्वास दिया। राष्ट्रीय कार्यकारणी सहयोगी दलों के प्रयासों की सराहना करती है और आशा करती है कि वे सुशासित व सुरक्षित असम प्रदेश बंनाने में सरकार की मदद करेंगे।

असम के अलावा पार्टी ने कांग्रेस को धरासायी करनेवाले केरल में भी संतोषप्रद प्रदर्शन किया। असम की तरह ही केरल में भी पार्टी का वोट प्रतिशत में पर्याप्त वृद्धि दर्ज हुई. भाजपा व सहयोगी दल एक साथ १५ प्रतिशत वोट लेकर भविष्य के विकास की नींव रखी.

केरल के कार्यकर्ता विशेष धन्यवाद के अधिकारी हैं जिन्होंने मार्क्सवादी पार्टी के हिंसक व भयावह वातावरण में भी वीरतापूर्ण प्रयत्न किया. पार्टी व विचार परिवार ने बीते दिनों में बहुत से निष्ठावान कार्यकताओं को मार्क्सवादी हिंसा में खोया. फिर भी वे दृढ़ता से खड़े रहे और राज्य के लोगों का हृदय जीता. जिस दिन से मार्क्सवादी पार्टी की सरकार राज्य में आई उस दिन से हिंसा व आतंक की राजनीति फिर से प्रारम्भ हो गयी. एक होनहार व युवा कार्यकर्ता का जीवन मार्क्सवादी गुंडों के द्वारा सरकार बनते ही छीन ली गयी. राष्ट्रीय कार्यकारिणी हिंसक मार्क्सवादियों की हिंसा की निंदा करती है और मुख्यमंत्री से मांग करती है कि वो अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए अपराधीयों को जेल में बंद करे और पीड़ितों को न्याय प्रदान करे.

राष्ट्रीय कार्यकारणी केरल विधानसभा में अपनी पहली प्रविष्टि पर प्रसन्नता अभिव्यक्त करती है. हमारे लिए यह भी प्रसन्नता का विषय है की भाजपा पश्चिम बंगाल में हिंसक व भायाकांत राजनीति में डट कर खड़ी रही और विधान सभा में स्वयं के तीन विधायक व सहयोगी दलों के तीन विधायक व दस प्रतिशत मत के साथ भव्य प्रवेश किया. केरल व पश्चिम बंगाल में जहाँ प्रमुख दल ही आतंक व हिंसा को बढ़ावा देते हैं, भाजपा खुद को मिले जनादेश को स्थानीय राजनीति को अच्छा बंनाने के लिए चुनौती व् अवसर के रूप में देखती है.

हमारे कार्यकर्ता ने तमिलनाडु एवं पांडिचेरी में अधक परिश्रम से चुनावों में मत प्रतिशत को बढाया है हालाकिं अंतिम समय में मतदाता में ध्रुवीकरण एवं अन्य राजनैतिक दलों के स्थानीय कारणों से सीटें प्राप्त प्राप्त नहीं हो सकी. हम विश्वास करते है की इन राज्यों का संघटन मजबूत होकर के पुनः अपने योग्य स्थान को प्राप्त करेंगे.

इसबार के विधान सभा चुनावों का महत्वपूर्ण सन्देश यही है कि विभिन्न राज्यों में मतदाताओ ने कांग्रेस को व्यापक व स्पष्ट रूप से नकार दिया. असम व केरल में जहाँ पर उनकी सरकारें थी, जनता ने उन्हें पूर्ण रूप से अस्वीकार कर दिया है. उनको बंगाल व तमिलनाडू के लोगों ने भी नकार दिया. लोगों ने न केवल कांग्रेस पार्टी को नकारा अपितु उन सभी सत्ता के लोभियों को भी सबक सिखाया जो उनके साथ दोहरी राजनीति करते हुए हाथ मिलाये थे. यह दोहरा मापदंड पश्चिम बंगाल में देखने को मिला जहाँ मार्क्सवादी पार्टी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया, वह पार्टी जो केरल में उनकी मुख्य राजनीतिक प्रतिद्वंदी थी.

इस चरण के चुनाव का प्रमुख सन्देश यह रहा कि जनता ने न केवल कांग्रेस पार्टी को ही नकारा है बल्कि कांग्रेस की राजनैतिक संस्कृति को भी नकारा है. कांग्रेस मुक्त भारत का नारा हमारे लिए मात्र कांग्रेस पार्टी को चुनाव में हारने तक सीमित नहीं है यद्यपि वह प्रयास हमेशा रहेगा. देश को भ्रष्टाचार, वंशवाद, विरासतवाद, अहंकार, गैर- जबाबदेही, रूकावट व वोटबैंक की राजनीति जैसे कांग्रेसी संस्कृति से बचाना भी है.

राष्ट्रीय कार्यकारणी को यह प्रसन्ता है कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा लोक सभा चुनाव के दौरान उद्घोषित कांग्रेस मुक्त भारत का नारा आज पुरे देश का नारा बन गया है. बहुत से उप-चुनावों में भी जिनमे मेघालय, गुजरात व् अन्य राज्य शामिल हैं, में लोगों ने कांग्रेस को नकार दिया और भाजपा, रा.ज.ग. या गैर-कांग्रेस दलों को वोट दिया. मणिपुर, त्रिपुरा जैसे सुदूरवर्ती राज्यों से भी हमारे जनाधार में वृद्धि हुई है.

राष्ट्रीय कार्यकारणी डेढ़ वर्ष पूर्व लिए गए अपने निर्णय को पुनः याद करती है जिसमें पार्टी ने उन राज्यों पर ध्यान देने की पहल की थी जहाँ परम्परागत रूप से संगठन कमजोर था. वर्तमान में हुए चुनाव यह दर्शाते हैं कि इस क्षेत्र में हुए प्रायसो का अच्छा परिणाम प्राप्त हो रहा है.

असम पूर्वोतर भारत का प्रवेश द्वार है. असम में मिली भारी विजय पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में पार्टी का पदचिन्ह प्रस्थापित करने का सुअवसर है. पूर्वोतर राज्य हमारे लिए स्थानीय स्तर पर चुनावी दृष्टि से, राष्ट्रीय स्तर पर विकास की दृष्टि से और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सामरिक दृष्टि से महत्व रखते है.

क्षेत्र का विशेष महत्व तथा समग्र विकास को ध्यान में रख कर भाजपा ने नार्थ-ईस्ट डेमोक्रेटिक एलाएंस (नेडा) की स्थापना की. आठ पूर्वोतर राज्यों के गैर-कांग्रेस राजनैतिक दलों का यह गटबंधन पूरे क्षेत्र के गतिशील विकास का ऊर्जा-केंद्र बनेगा. यह क्षेत्र में पार्टी का जनाधार बढाने में सहयोगी साबित होगा.

२०१४ के लोक सभा चुनाव में भाजपा को उत्साहजनक समर्थन कोरोमंडल तट, जो पश्चिम बंगाल से तमिलनाडु व केरल तक है, में मिला. हमने दक्षिणी तट और पूर्वी तट के राज्य जैसे केरल, तमिलनाडु, आन्ध्र प्रदेश, तेलंगाना, पश्चिमी बंगाल और ओडिशा में अच्छे मत प्राप्त किया. यद्यपि पार्टी को लोकसभा में सीटें काम मिली. पार्टी ने क्षेत्र में संगठनात्मक ताकत बढ़ाने का प्रयास शुरू कर दिया. हाल ही में सम्पन्न विधानसभा चुनाव परिणाम इन प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे है. राष्ट्रीय कार्यकारणी उन सभी राज्यों के कार्यकर्ताओं से आह्वाहन करती है कि अगले तीन वर्षों तक एकाग्र निष्ठा से काम करें और २०१९ के लोकसभा चुनाव में पार्टी को व्यापक सफलता दिलाएं.

भारतीय जनता पार्टी के लिए पंचायत से संसद तक का प्रत्येक चुनाव राजनैतिक और वैचारिक प्रभाव बढाने के लिए महत्वपूर्ण है. वर्तमान में मिली चुनावी सफलता व मोदी सरकार के दो वर्षों के कार्यकाल की सफलताओं को लेकर पार्टी अगले वर्ष आनेवाले विधानसभा चुनाव के लिए भी नए सिरे से कमर कस रही है.

आज भाजपा देश में एक मात्र राष्ट्र-व्यापी पार्टी है. भारतीय जनता पार्टी केंद्र तथा राज्यों में सुशासन के कारण स्वाभाविक पार्टी के रूप में स्वीकारी जा रही है. कांग्रेस दिन ब दिन संकुचित हो रही है और दूसरी राजनैतिक पार्टियों का सीमित क्षेत्रीय आधार है. राष्ट्रीय कार्यकारणी इसके महत्व को समझती है और इसको एक महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व के रूप में भी देखती है. हम कार्यकर्ताओं से आह्वाहन करते हैं कि समाज के सभी वर्गों का समर्थन प्राप्त कर भाजपा को भारत का एक मात्र वर्तमान बनाए; हम देश वासियो को भी विश्वास दिलाना चाहते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी जी के जुझारू नेतृत्व में भाजपा देश का उज्जवल भविष्य भी बनेगा।